

12.8.24

पनालीपेशा बकिल गरीब दु पालन है,
पुँठि सवनिपत नरु कलक सपरी कलक
पैली न कारिल रिता जातुका है, उर,
पाननापननी पलन योग न सेने
से कारिल रिता जातु है, पनाली
पेनल शुका की जाक नरु नकनी न
कारिल रिता है।